वार्तालाप-556, दिगनेर, दिनांक 28.04.08
Disc.CD-556, dated 28.4.08 at Digner
Extracts-Part-1

समयः 02.21-06.80
जिज्ञासुः बाबा, शंकर को लेटा हुआ क्यों दिखाया है?
बाबाः क्यो? शंकर को बैठा हुआ भी दिखाया है, शंकर को लेटा हुआ भी दिखाया है, शंकर को सोता हुआ भी दिखाया है, शंकर को दौड़ता हुआ भी दिखाया है, खड़ा हुआ भी दिखाया है। सोता हुआ माना लेटा हुआ इसीलिए दिखाया है कि छोटे बच्चे के रूप में सोता हुआ चित्र पहले नहीं था। पहले था क्या? नहीं था। बाद में ये चित्र निकला। माना यज्ञ के आदि में ये सोता हुआ चित्र नहीं था। बाद में ये चित्र निकला। और मुरली में बाप बताते हैं कि राम फेल हो गया। फेल हो गया तो यज्ञ के आदि में फेल होने का क्या मतलब? अज्ञान में चला गया या ज्ञान में जीवित बचा? अज्ञान अंधेरे में चला गया, अज्ञान नींद में सो गया।

Time: 02.21-06.80
Student: Baba, why is Shankar shown to be lying down?
Baba: Why? Shankar is shown to be sitting, he is shown to be lying down as well as sleeping. Shankar is shown to be running as well as standing. He has been shown to be sleeping, i.e. lying down because… the picture of a child (Shankar) in a sleeping posture was not seen earlier. Was it seen earlier? It wasn't. This picture emerged later on. It means, this picture in a sleeping posture was not seen in the beginning of the *yagya*. This picture emerged later on. And the Father says in the *murlis* that Ram failed. When he failed; what is the meaning of failure in the beginning of the *yagya*? Did he became ignorant or did he remain alive in knowledge? He went into the darkness of ignorance; he went into the sleep of ignorance.

जब बाप ने प्रवेश किया था तो दादा लेखराज ब्रह्मा के साक्षात्कारों का भी अर्थ बताया था। तो जागृत होता है तो दूसरों को भी जगाता है। तो ब्रह्मा बाबा भी जाग गए परंतु शुरूवात में इतना ज्ञान नहीं था। और आत्मा बुद्धिवादी थी या भावनावादी थी? बुद्धिवादी आत्मा को बुद्धि का भोजन चाहिए, ज्ञान। और यज्ञ के आदि में ओम-2 का ध्वनि उच्चारण होता था, भक्तिमार्ग के साक्षात्कार होते थे या ज्ञान सुनाया जाता था? भक्तिमार्ग के साक्षात्कार होते थे। इसीलिए बुद्धि का भोजन न मिलने के कारण वो आत्मा ज्ञान से टूट गई। ज्ञान यज्ञ को छोड़के चली गई अज्ञान निद्रा में सो गई। बच्चे के रूप में जन्म ले लिया। इसलिये चित्रकारों ने भी चित्र बनाए दिया।

When the Father entered [him], He also narrated the meaning of the visions that Dada Lekhraj Brahma had. So, when he awakens, he wakes up the others as well. So, Brahma Baba also awakened but there was not so much knowledge in the beginning. And was the soul intellectual (*buddhivaadi*) or was it emotional (*bhaavnaavaadi*)? An intellectual soul requires food for his intellect [i.e.] knowledge. And in the beginning of the *yagya,* did they used to pronounce the sound of 'Om-2'; did they have visions of the path of *bhakti* or was knowledge narrated? They had visions of the path of *bhakti*. This is why, as the soul did not get food for

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

his intellect, he broke away from knowledge. He left the *gyaan yagya* (*yagya* of knowledge) [and] went into the sleep of ignorance. He was born in the form of a child. Therefore, the artists also made this picture (of child Shankar lying down).

समयः 08.45-17.38

जिज्ञासुः बाबा, श्रवण के माता-पिता को अंधा बताया है। वो ले जाते हैं कांवड़ पे। पानी लेने जाते हैं, उनको बाण लगता है। उनको श्राप लगता है।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः ऐसा क्यों बाबा और ये कहाँ की बात है बाबा?

बाबाः पूर्वजन्मों का हिसाब-किताब होता है तो पूरा करना पड़ता है।

जिज्ञासुः बेहद में भी तो बाबा होंगे श्रवण कुमार?

Time: 08.45-17.38
Student: Baba, the parents of Shravan [Kumar] have been shown to be blind. He carries them in a basket. He is hit by an arrow when he goes to fetch water. He (i.e. King Dashrath[1] who hit the arrow) is cursed (by Shravan's blind parents).
Baba: Yes.
Student: Why is it so Baba? And it is about which time?
Baba: When there is a karmic account of the previous births, it has to be cleared.
Student: Baba, there must be a Shravan Kumar in an unlimited sense as well.

बाबाः अच्छा आप ये पूछ रहे हैं कि श्रवण कौन है। श्रवण का अर्थ है कान। श्रवण का अर्थ है जिसकी बहुत लोग महिमा सुनते हों। उसका नाम रख दिया श्रवण। बहुत याद करते हों। मात-पिता की बड़ी सेवा की और मात-पिता कैसे थे? अंधे थे। जो काम मात-पिता नहीं कर सके वो बच्चे ने करके दिखाया। सारे भारत में सारे तीर्थों का चक्कर लगाया। बापदादा कहते हैं जो चक्कर लगाते हैं वो क्या बनते हैं? चक्रवर्ती राजा बनते हैं। तो ब्रह्मा और सरस्वती उनके द्वारा जो ज्ञान सुनाया गया उस ज्ञान के आधार पर ब्रह्मा और सरस्वती ने भगवान के प्रैक्टिकल साकार स्वरूप को पहचाना या नहीं पहचाना? (जिज्ञासुः नहीं पहचाना।) तो ज्ञान के अंधे कहें या सोज़रे कहें? अंधे मात-पिता थे। यज्ञ के आदि में भी भगवान बाप आया हुआ था। परंतु अहंकार के अंधे होने के कारण उस भागीदार जिसमें बाप शिव आया हुआ था, जो उनकी दुकान में नौकर था; तो अहंकार होता है ना-ये तो मेरा नौकर है। नहीं पहचान सके। वो अंधे मात-पिता के ब्राह्मण परिवार में वो राम बाप वाली आत्मा दुबारा फिर जन्म लेती है और ज्ञान में आ जाती है। तो उसके माँ-बाप कौन हुए प्रैक्टिकल में? वो ही ब्रह्मा सरस्वती उसके माँ-बाप हुए।

जिज्ञासुः लेकिन अभी तो ब्रह्मा निकला, ब्रह्मा की नाभी से विष्णू?

[1] Ram's father in the epic Ramayana

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: *Accha*, you are asking: who is Shravan? Shravan means the ears. Shravan means the one whose glory people hear a lot. He has been named Shravan. [The one whom people] remember a lot. He served his parents a lot; and what were his parents like? They were blind. The child performed the task which the parents could not do. He [took them and] went around all the pilgrimage centers all over India. Bapdada says, what do those who take a tour (*cakkar lagana*) become? They become emperors (*chakravarti raja*). So, the knowledge that was narrated through Brahma and Saraswati; on the basis of that knowledge did Brahma and Saraswati recognize the practical corporeal form of God or did they not recognize Him? (Students: They did not recognize.) So, should we call them blind from the point of view of knowledge or those with sight? They were blind parents. God, the Father came in the beginning of the *yagya* as well. But because of being blind due to ego, [he could not recognize]the [importance of] that partner in whom the Father Shiva came [and] who was a servant in his shop. So, there develops an ego [within him], doesn't it, "This one is my servant"? He could not recognize Him. In the Brahmin family of those blind parents, that soul of the father Ram is born again and comes in knowledge. So, who are his parents in practical? Those very Brahma and Saraswati are his parents.
Student: But now, Brahma emerged, [how did] Vishnu emerge from the navel of Brahma?

बाबा: अब यही तो बात है। एक बात समझ में आ गई कि श्रवण कुमार किसका नाम, किसकी यादगार है? किसकी यादगार है? रामवाली आत्मा की यादगार है श्रवण कुमार। अब दूसरी बात ब्रह्मा की नाभी से विष्णु निकला और विष्णु की नाभी से ब्रह्मा निकला। सतयुगी नई सृष्टि की जब शुरूवात होती है तो पहले-2 इस सृष्टि पर ऊँच ते ऊँच आत्मायें कौन होती है? विष्णु रूप में? वो कौन आत्मायें हैं जो पहले-2 नई सृष्टि में विष्णु रूप में प्रत्यक्ष होती हैं?

जिज्ञासु: प्रजापिता और गीता माता।

बाबा: प्रजापिता तो पतित को कहा जाता है। वो तो चेंज हो जाता है। संगमयुगी लक्ष्मी और नारायण। राम वाली आत्मा या कहें शंकर और पार्वती। तो सतयुगी नई सृष्टि के आदि में जो विष्णु स्वरूप हैं, तो सृष्टि का जब अंत होता है, 2036 शुरू होता है, तो आदि सो अंत। वो विष्णु स्वरूप कौनसी आत्मायें होती हैं? जो आदि में थी वो ही अंत में ब्रह्मा बाबा के भागीदार कहो, उनके बहनोई कहो; वो बहन और बहनोई एक मत में रहते हैं। एक मत हो जाना पति-पत्नि का जैसे के विष्णु बन गया। चारों भुजायें मिल करके काम करती हैं। ऐसे नहीं एक, एक बात सोचे तो दूसरी, दूसरी बात सोचे। एक दृष्टि एक तरफ जाए तो दूसरे की दृष्टि दूसरे चीज पर जाए। नहीं। तो उनको कहते हैं विष्णु। दोनों एक हो करके रहते थे, मिल करके एक हो जाते थे।

Baba: Well, this is what is being discussed. Did you understand one thing, that whose name Shravan Kumar is. Whose memorial is Shravan Kumar? Whose memorial is it? Shravan Kumar is the memorial of the soul of Ram. Now, the second topic, Vishnu emerged from the navel of Brahma; and Brahma emerged from the navel of Vishnu. When the new Golden Age world begins, first of all who are the highest souls in this world in the form of Vishnu? Who are the souls who are revealed in the new world in the form of Vishnu first of all?
Student: Prajapita and Gita mata.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: The sinful one is called Prajapita. He changes. [It is] the Confluence Age Lakshmi and Narayan, the soul of Ram or call them Shankar and Parvati. So, the ones who are the form of Vishnu in the beginning of the Golden Age new world; when the world ends, when 2036 begins then as is the beginning so is the end. Who are the souls in the form of Vishnu ? Those who were present in the beginning [come] in the end. Call him Brahma Baba's partner [or] his brother-in-law (*bahnoi*). That sister and brother-in-law (of Brahma Baba) remain unanimous [in their opnion]. When the husband and wife become unanimous in their opinion; it is like becoming Vishnu. All the four arms work with unity. It is not that one person thinks something and the other person thinks something else. One person sees one thing and the other person sees another thing. No. So, they are called Vishnu. Both lived in harmony, they united and became one.

दादा लेखराज ब्रह्मा के जीवन में ये बात नहीं कही जा सकती। कैसे? प्रैक्टिकल जीवन में उनकी युगल का नाम था यशोदा। अगर यशोदा और दादा लेखराज दोनों ही एक ही स्वभाव संस्कार के थे तो यज्ञ को पालन करने वाली कौन होनी चाहिए? यशोदा होनी चाहिए। लेकिन यशोदा में वो शिफ्त नहीं थी। और भागीदार की पत्नी में वो शिफ्त थी। जिसके लिए मुरली में बोला है- ऐसी-2 बच्चियाँ थी जो मम्मा बाबा को भी ड्रिल कराती थी, टीचर बनकरके बैठती थी। हम समझते थे ये तो बहुत अच्छा नंबर माला में आवेंगे। तो अवेंगी या नहीं अवेंगी? आवेंगी। तो यज्ञ के आदि में वो विष्णु थे। उन विष्णु की नाभी से ब्रह्मा और सरस्वती निकले। फिर ब्रह्मा सरस्वती से... ब्रह्मा से क्या निकलता है? ब्रह्मा की नाभी से फिर विष्णु निकलता है। तो सन् 76 की घोषणा कर दी। आने वाले 10 वर्षों में भारत से भ्रष्टाचार विकारों का अंत होने वाला है, लक्ष्मी नारायण का राज्य आने वाला है। तो सन् 76 में वो राधा और कृष्ण। जो संगमयुगी कृष्ण-राधा के रूप में प्रत्यक्ष होने वाले लक्ष्मी नारायण हैं, वो फिर प्रत्यक्ष हो जाते हैं। तो ब्रह्मा की नाभी से विष्णु निकला, विष्णु की नाभी से ब्रह्मा निकला। ये क्रम चलता ही रहता है, शूटिंग पीरिय में भी।

This cannot be said about Dada Lekhraj Brahma's life. How? In the practical life, his wife's name was Yashoda. If Yashoda and Dada Lekhraj had the same nature and *sanskars,* then who should have been the one to sustain the *yagya*? It should have been Yashoda. But Yashoda did not have that quality, whereas the partner's wife had that quality for whom it has been said in the *murli,* "There were such daughters who used to make even Mamma and Baba perform the drill. They used to sit as their teacher. We used to think that they will achieve a very good rank in the rosary". So, will they achieve a good rank or not? They will achieve it. So, they were Vishnu in the beginning of the *yagya*. Brahma and Saraswati emerged from the navel of that Vishnu. Then, from Brahma Saraswati… What emerges from Brahma? Vishnu emerges again from the navel of Brahma. So, the declaration was made for the year 76 : "Unrighteousness and vices are going to be destroyed from Bharat in the coming ten years. The kingdom of Lakshmi and Narayan is going to come. So, the Radha and the Krishna who are the Lakshmi and the Narayan who are going to be revealed as the Confluence Age Krishna and Radha in 76 are revealed once again. So, Vishnu emerged from the navel of Brahma and Brahma emerged from the navel of Vishnu. This sequence continues in the shooting period as well. …. (to be continued.)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-2

समयः 17.40-18.35

जिज्ञासुः द्रौपदी का चीर खींचा। तो फिर पांचों पति क्यों खड़े रहे? दुःशासन ने चीर खींचा तो कृष्ण भगवान को आवाज दी तो फिर उसने उसका चीर बढ़ाया।

बाबाः ये बात इस बात को बताती है कि आखरीन दुनियाँ में ऐसा समय भी आवेगा बाप, बाप नहीं रहेगा, ग्रैण्फादर, ग्रैण्फादर नहीं रहेगा, माँ, माँ नहीं रहेगी, बाप, बाप नहीं रहेगा, चाचा, चाचा नहीं रहेगा। सारे संबंध झूठे हो जावेंगे, गुरू, गुरू नहीं रहेगा, टीचर, टीचर नहीं रहेगा, राजा, राजा नहीं रहेगा। कोई किसी की सुरक्षा नहीं कर पाएगा। अंत में सिर्फ एक बाप की याद ही काम आवेगी।

Time: 17.40-18.35

Student: When Draupadi's *saree* was pulled [by *Dushasan*], why did all her five husbands remain silent spectators? And Dushasan pulled her *saree*, then she called Lord Krishna and he increased the length of her *saree* .

Baba: This incident tell [us] that ultimately such time will also come in the world when a father will not remain a father, a grandfather will not remain a grandfather, a mother will no longer remain a mother, a father will not remain a father a *chacha* (the paternal uncle) will not remain a *chacha*. All the relationships will prove to be false; a guru will not remain a guru, a teacher will not remain a teacher, a king will not remain a king. Nobody will be able to safeguard anyone. In the end only the remembrance of the one Father will prove to be useful.

समयः 18. 40-19.40

जिज्ञासुः बाबा, भक्तिमार्ग में सभी देवियों के ज्यादातर केश खुले हुए दिखाये हैं। और लक्ष्मी-नारायण के चित्र में भी लक्ष्मी जी के केश, बाल हैं, वो खुले हुए हैं। इनका क्या रहस्य है? महिलाओं को, नारी जाति को केश खुले रखना अच्छा है कि चोटी बनाना अच्छा है?

बाबाः द्रौपदी का जब अपमान हुआ था तो उसने क्या किया था? केश खुले छोड़ दिए थे कि दुर्योधन दुःशासनों को याद आए कि ये दुर्योधन दुःशासनों की दुनियाँ कोई काम की नहीं है। जो शिव शक्तियाँ हैं (वो) असुर संघारकारणी हैं। असुरों का संघार करने पर जब तुल जाती हैं तो केशों की संभाल में उनका दिल नहीं लगता।

Time: 18.40-19.40

Student: Baba, in the path of *bhakti* (devotion), most of the female deities (*devis*) are shown with loose hair[2]. And also in the picture of Lakshmi and Narayan, Lakshmi's hair is loose. What is its secret? Is it good for women, the womenfolk to keep their hair loose or to tie them?

Baba: When Draupadi was insulted, what did she do? She had left her hair loose so that the Duryodhans and Dushasans[3] should be reminded that this world of the Duryodhans and

[2] That which is not braided/tied

[3] Villainous characters in the epic Mahabharata

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Dusshasans is of no use. The *shiv-shaktis* (*shaktis*[4] of Shiva) are the destroyers of demons. When they are bent upon to destroy the demons, they are no more interested in taking care of their hair.

समय:20.04-24.49

जिज्ञासु: शंकर के जुड़े में से जो गंगा निकलती हुई दिखाई है, जो कन्या दिखाई हुई है, वो किसका पार्ट है?

बाबा: कन्या है, तो कन्या ही होगी। गंगा है, तो गंगा ही होगी। अरे, जुड़े में चारों ओर आठ- नौ विशेष आत्मायें मणकों के रूप में दिखाई जाती हैं और उन मणकों के बीच में कन्या दिखाई जाती है। कन्या का नाम गंगा दिया जाता है। सर के ऊपर माँ-बाप किसको चढ़ाते हैं? जो बच्चें बहुत प्यारे होते हैं, उन प्यारे बच्चों को प्यार में आकर माँ-बाप सर पर चढ़ाय लेते हैं। कहते हैं ना – इसको तो सर के ऊपर चढ़ाया हुआ है।

Time: 20.04-24.49

Student: The Ganges (Ganga), which is shown to emerge from the coiled hair (*juuraa*) of Shankar, a virgin who is shown, whose role is it?

Baba: If a virgin [is shown] there will certainly be a virgin. If Ganges [is shown], she will certainly be the Ganges. *Arey*, Eight-nine special souls are shown in the form of beads around the coiled hair and a virgin is shown in the centre of [the rosary of] those beads. The virgin is named Ganges. Whom do parents sit on their head? The children who are very dear; parents sit them on their head out of love. It is said, 'he is seated on the head', isn't it?

तो कोई कन्या है ए□वांस पार्टी की जिसने ए□वांस में सबसे पहले ज्ञान लिया है। और कन्याओं ने बाद में लिया है लेकिन उस कन्या ने सबसे पहले और सबसे सतोप्रधान स्टेज में ज्ञान लिया है, आदि में ही लिया है लेकिन मुरली में बोला है - ज्ञान गंगायें निकली हैं अंत में। क्योंकि गंगा के किनारे चौकड़ी मारके ज्यादा कौन बैठते हैं? (किसीने कहा – सन्यासी।) माना सन्यासियों की अम्मा है। ज्ञान तो बाप से लिया आदि में परंतु सन्यासी बन करके बैठ गई। परंतु ताकत तो भर ली ना।

So, she is a virgin of the *Advance party* who has taken the knowledge first of all in the *Advance* [party]. Other virgins took it later but that virgin has taken it first of all and [she has taken it] in the very *satopradhaan stage*. She has taken it in the beginning itself. But it has been said in the murli: The Ganges of knowledge have emerged in the end. It is because who squat on the banks of the [river] Ganges more? (Someone said: The Sanyasis.) It means she is the mother of the Sanyasis. She did take the knowledge from the Father in the beginning but became a Sanyasi. Still, she did fill the power [in herself], didn't she?

मुरली में बोला है – अंत में जब सन्यासी निकलेंगे तो तुम बच्चों की जीत हो जावेगी। तो गंगा और गंगा के किनारे चौकड़ी मारने वालों का जब परिवार निकलता है, तो तुम ब्राह्मण बच्चों की जीत हो जाती है। वो ज्ञान गंगायें निकली हैं अंत में। अभी टाईम आ गया, निकलने वाली हैं। इसलिए कन्या का चेहरा सर के ऊपर जो जुड़ा होता है, उसमें दिखाया जाता है। माना ज्ञान सुनने-सुनाने की ऊँचे ते ऊँची स्टेज कोई

[4] Consorts of Shiva

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

कन्या ने धारण की है। इसलिए बाप अपना टाईटल उस कन्या को भक्तिमार्ग में दिलवाते हैं। ज्यादा गायन किसका होता है पतित-पावन के रूप में? जैसे राम-सीता को कहते हैं पतित-पावन सीता-राम वैसे ही बाप का टाईटल कोई कन्या को भी मिला हुआ है। पतित-पावनी गंगा। ज़रूर इतनी सेवा की होगी।

It has been said in the murli: When the Sanyasis come in the end, you children will gain victory. So, when the family of the Ganges and those who squat on the banks of the Ganges emerges, you Brahmin children gain victory. Those Ganges of knowledge have emerged in the end. Now, the *time* has come, they are going to emerge. This is why the face of a virgin is shown in the coiled hair on the head. It means some virgin has assimilated the highest *stage* of listening and narrating the knowledge. This is why the Father gives His *title* to that virgin in the path of *bhakti*. Who is praised more as *patit-paavan* (purifier of the sinful)? Just as Ram-Sita are called '*Patit-paavan Sita-Ram*' (Ram-Sita, the purifier of the sinful), similarly some virgin has also received the *title* of the Father. [It is said:] *Patit-paavani Ganga*. She certainly will have served so much .

और अव्यक्त वाणी में बोला है – गंगा कहाँ से निकली? भक्तिमार्ग में इलाहाबाद का गायन है या कोई और शहर का गायन है? इलाहाबाद का गायन है लेकिन वाणी में बोला – गंगा कहाँ से निकली? इलाहाबाद से या कानपुर से? अब बताओ कानपुर का नाम लेने का क्या मतलब? गंगा के किनारे के शहर तो ढ़ेर हैं। पहला शहर तो हरिद्वार ही है। दूसरा बड़ा शहर फर्रुखाबाद भी है, पटना भी है, वाराणसी भी है। इनका नाम क्यों नहीं लिया? कलकत्ता भी है। इनका नाम क्यों नहीं लिया? कानपुर का नाम क्यों लिया? क्योंकि ज्ञान सुनते-सुनते कान पूर गए। इतना ज्ञान सुना।

And it has been said in the avyakt vani: From where did the Ganges emerge? Is there the praise of Allahabad in the path of *bhakti* or is there the praise of any other city? There is the praise of Allahabad, but it is said in the vani: From where did the Ganges emerge? Is it from Allahabad or Kanpur[5]? Well, tell [Me], why did he take the name of Kanpur? There are many cities on the banks of the Ganges. Haridwar is the first city, the second big city is Farrukhabad, there is Patna as well as Varanasi. Why weren't the names of these [cities] mentioned? There is Kolkata as well. Why weren't the names of these [cities] taken? Why did he take the name of Kanpur? It is because her ears filled up listening to the knowledge. She heard so much knowledge.

समयः 31.00-35.08

जिज्ञासुः लक्ष्मी को उल्लू की सवारी क्यों दिखाते हैं?

बाबाः लक्ष्मी को उल्लू की सवारी क्यों दिखाई हैं?

जिज्ञासुः नहीं। उल्लू की सवारी दिखाते हैं फिर वो है ना कमल के फूल पर बैठती है।

बाबाः हाँ, कमल के फूल पर बैठने का मतलब ये है जैसे कमल का फूल होता है, वो कीचड़ में रहता है। कहाँ रहता है? कीचड़ में रहता है। लेकिन उसमें कोई भी कीचड़ का अंश भी

[5] A place in Uttar Pradesh, in North India.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

नहीं रहता। माना कमल फूल का आधार लेती है। क्या? कमल फूल का आधार लेती है। कीचड़ में रहती नहीं है लेकिन आधार लेती है। यानी जगदम्बा है कीचड़ में रह करके जीवन बिताने वाली। कीचड़ की दुनियाँ में रहती है और बुद्धि से कमल फूल के समान उपराम होकर के रहती है। जैसे जगतपिता शंकर को दिखाया है कमल फूल के ऊपर। जीवन कैसा होना चाहिए? कमल फूल के समान। तो जगतपिता का जीवन ऐसा होता है तो जगदम्बा का भी जीवन ऐसा ही होता है।

Time: 31.00-35.08
Student: Why is Lakshmi shown to be riding on an owl?
Baba: Why is Lakshmi shown to be riding on an owl?
Student: No. They show her to be riding on an owl, but she is sitting on a lotus flower.
Baba: Yes, the meaning of sitting on a Lotus flower is that just as a Lotus flower lives in sludge (*keechar*); where does it live? It lives in sludge. But it does not contain even a trace of sludge. It means that she takes the support of the Lotus flower. What? She takes the support of the Lotus flower. She does not live in sludge, but takes its support. It means that Jagadamba is the one who spends her life while living in sludge. She lives in the world of sludge and remains detached through her intellect like a Lotus flower. For example, *Jagatpita* (the Father of the world) Shankar has been shown on the Lotus flower. How should our life be? It should be like the Lotus flower. So, when the life of *Jagatpita* is like this, then the life of Jagadamba is also the same.

और वो जगदम्बा ज्ञान-ज्ञानेश्वरी कही जाती है। उस ज्ञान-ज्ञानेश्वरी जगदम्बा का आधार लेती है लक्ष्मी। इसीलिए लक्ष्मी को कमल फूल का आसन दिखाया है। परंतु लक्ष्मी सवारी करती है उल्लुओं के ऊपर। आज की दुनियाँ के बड़े-2 साहूकार, लखापति, करोड़पति, अरबपति वो लक्ष्मी का वाहन बनते हैं। लक्ष्मी उनके ऊपर सवारी करती है। माना ब्रह्माकुमारियाँ, उनकी जो मुखिया बनकरके संसार में प्रत्यक्ष होती है। वो शक्ति का नाम क्या है जो ब्रह्माकुमारियों में सबसे ऊँचा पद पाती है? वैष्णव देवी। वो वैष्णव देवी किसकी सवारी करती है? साहूकारों की सवारी करती है। वो उल्लू होते हैं जिनकी बुद्धिरूपी सर जमीन के कामों में लगा रहता है। उनकी बुद्धिरूपी पाँव ऊपर हो जाते हैं। माना ऊँची दुनियाँ जो नई दुनियाँ आने वाली है, नई दुनियाँ स्वर्ग, बड़े ते बड़ा धाम परमधाम उसको लात मारते हैं और जो पूरानी दुनियाँ जाने वाली है उस पूरानी दुनियाँ में उनकी बुद्धि लगी रहती है। उल्लू। उल्लू कैसे लटकता है? मिट्टी की दुनियाँ में बुद्धि लगी रहती है और जो भगवान नई दुनियाँ बनाने वाले हैं उस नई दुनियाँ को पहचान नहीं पाते। ऐसे साहूकारों के ऊपर वो लक्ष्मी सवारी करती है।

And that Jagadamba is called *gyan-gyaneshwari* (the goddess of knowledge). Lakshmi takes the support of that *gyan-gyaneshwari* Jagadamba. This is why Lakshmi is shown to be sitting on a Lotus flower. But Lakshmi rides on owls. The very prosperous people of today's world, the millionaires, billionaires and multimillionaires become the vehicle of Lakshmi. Lakshmi rides on them. It means, the Brahmakumaris…; what is the name of the *shakti* who is

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

revealed in the world in the form of their head? The one who achieves the highest position among the Brahmakumaris? Vaishnavi Devi. On whom does that Vaishnavi Devi ride? She rides on the prosperous people. They are owls (i.e. foolish) whose head like intellect remains busy in the task on the ground (lowly tasks). Their feet like intellect turn upwards. It means that they kick the high world, the new world that is going to come, the new world, heaven, the highest abode, the Supreme Abode and their intellect remains engaged in the old world that is going to end. Owl[6](*ullu*). How does the owl hang? Its intellect remains busy in the world of mud. And they are unable to recognize the new world that God is going to create. That Lakshmi rides on such prosperous people.

समयः 35.10-36.35

जिज्ञासुः मजबूरी का नाम महात्मा गांधी ही क्यों पड़ा?

बाबाः हाँ, जो ताकतवर होता है वो अपनी ताकत ज़रूर दिखाता है। जिसमें ताकत ही नहीं है तो ताकत कहाँ से दिखाएगा? सुभाष चंद्र बोस में मुकाबला करने की ताकत थी। तो उन्होंने संगठन तैयार किया और चैलेंज कर दिया। किसको? ईसाईयों को, जिनका राज्य भारत में था। उनका कहना था कि मुकाबला करके ही हम सच्चा राज्य ले सकते हैं। झुक करके सच्चा राज्य नहीं लिया जा सकता। इसीलिए गांधीजी के लिए कहते हैं मजबूरी का नाम महात्मा गांधी। उन्होंने जो राज्य लिया उससे राम राज्य स्थापन हुआ कि रावण राज्य स्थापन हो गया? और ही रावण राज्य स्थापन हो गया।

Time: 35.10-36.35

Student: Why is it said '*majboori ka naam Mahatma Gandhi'* (the [other] name for compulsion is Mahatma Gandhi)?

Baba: The one who is powerful certainly shows his power. How will the one, who does not have power at all, show it? Subhash Chandra Bose had the power to confront. So, he prepared a gathering. And challenged; whom? [He challenged] the Christians, who ruled India. His opinion was that we can obtain the true kingdom only by confronting them. True kingship cannot be obtained by bowing down. This is why it is said for Gandhiji, '*majboori ka naam Mahatma Gandhi*' (the [other] name for compulsion Mahatma Gandhi. Did the kingship that he obtain lead to the establishment of the kingdom of Ram or the kingdom of Ravan? It led to the establishment of a greater kingdom of Ravan. …. (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 43.07-49.20

जिज्ञासुः बाबा, रामायण और महाभारत बताते हैं इस समय की यादगार है। उस समय की नहीं है त्रेता की। अभी की यादगार है संगमयुग की।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः सतयुग-त्रेता की कोई हिस्ट्री नहीं।

[6] Baba actually means bat when He says *ullu* here

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः सतयुग और त्रेता की कोई हिस्ट्री नहीं है शास्त्रों में।
जिज्ञासुः जब सतयुग-त्रेता की कोई हिस्ट्री नहीं मिलती और संगमयुग के बाद तो विनाश होता है। तो संगमयुग की फिर कैसे बनती है?
बाबाः आत्मा में संस्कार नहीं होते हैं? आत्मा में संस्कार रहते हैं या नहीं रहते हैं? यहाँ संगमयुग में जिन्होंने आत्मिक स्थिति की ज्यादा प्रैक्टिस की होगी तो वो सतयुग-त्रेता से लेकरके कलियुग अंत तक वो आत्मिक स्थिति की प्रैक्टिस जिसने ज्यादा की होगी वो कायम रहेगी या नहीं रहेगी? (जिज्ञासु- रहेगी।) कोई आत्मा में ज्यादा से ज्यादा वो स्थिति रहेगी और कोई आत्माओं में वो स्थिति जैसे लोप हो जाती है। तो वो आत्मा कौन है जिसमें अंतिम जन्म तक भी आत्मिक स्थिति कायम रहती है? राम वाली आत्मा।

Time: 43.07-49.20
Student: Baba, it is said that Ramayana and Mahabharata are memorials of this time. They are not the memorials of that time [i.e.] of the Silver Age. They are memorials of the present time, of the Confluence Age.
Baba: Yes.
Student: There is no history of the Golden Age and Silver Age.
Baba: There is no history of the Golden Age and Silver Age in the scriptures.
Student: When no history of the Golden Age and Silver Age is available and destruction takes place after the Confluence Age. So, then how was the memorial of the Confluence Age prepared?
Baba: Aren't *sanskars* recorded in the soul? Do souls have *sanskars* [recorded in them] or not? Those who would have practiced soul conscious stage more here in the Confluence Age , the one who must have practiced soul conscious stage more from the Golden Age and Silver Age to the end of the Iron Age; will that (stage) remain constant or not? Some soul will remain in that stage to the maximum extent. And in some souls that stage almost disappears. So, which is that soul who remains constant in the soul conscious stage even till the last birth? The soul of Ram.

ऐसे ही और भी संस्कार हैं। जिनमें ज्ञान के जास्ति संस्कार होंगे वो द्वापर कलियुग में भक्ति भी ज्यादा करेंगे। जिनमें अव्यभिचारी ज्ञान को पकड़ने के संस्कार होंगे, एक शिवबाबा का ज्ञान पकड़ेंगे, सुनेंगे, समझेंगे, दूसरों को समझायेंगे, दूसरों का सुना हुआ नहीं समझायेंगे; तो वो संस्कार द्वापर, कलियुग में कोई आत्माओं में रहते हैं या नहीं रहते हैं? रहते हैं। ऐसे ही सतयुग त्रेता में शास्त्रों का कथानक नहीं हुआ है। कहाँ की यादगार रह जाती है आत्माओं में? संगमयुग में ही जिन आत्माओं ने ब्राह्मणत्व जीवन धारण करके इस ज्ञान को प्रैक्टिकल जीवन में अनुभव किया है और सबसे जास्ति अनुभव किया है वो ही त्रेता के अंत और द्वापर के आदि में उनकी स्मृति जागृत हो जाती है। और फिर वो ही शास्त्र लिखना शुरू कर देती हैं जो संगमयुग में उन्होंने अनुभव किया था। जिसने ज्ञान जास्ति अनुभव किया होगा वो ही तो शास्त्र लिखेगा। शास्त्र लिखना, पढ़ना और सुनाना- ये भक्तिमार्ग है या नहीं है?
जिज्ञासुः भक्तिमार्ग है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Similar is the case with other *sanskars*. Those who have more *sanskars* of knowledgein them, they will also do more *bhakti* in the Copper Age and the Iron Age. Those who have *sanskars* of grasping the unadulterated knowledge, they will grasp, listen to, understand and make others understand the knowledge of one Shivbaba. They will not explain whatever they have heard from others. So, do some souls have those *sanskars* in the Copper Age and Iron Age or not? They have. Similarly, there is no story (*kathanak*) of scriptures in the Golden Age and the Silver Age. The memorial of which time remains in the soul? Only those souls, who have experienced this knowledge in the practical life after being born as Brahmins in this Confluence Age and have experienced it to the maximum extent, their memory becomes fresh in the end of the Silver Age and the beginning of the Copper Age. And then they start writing the same scriptures based on their experiences in the Confluence Age. Only the one who must have experienced the knowledge more will write scriptures. Is writing, reading and listening to scriptures the path of *bhakti* or not?
Student: It is the path of *bhakti*.

बाबा: तो ये भक्तिमार्ग का फाऊन्डेशन भी कौन डालता होगा? राजा विक्रमादित्य, वो भक्ति को फॉलो करने वाला है या भक्ति सिखाने वाला है? (सभी-फॉलो करने वाला है।) राजा विक्रमादित्य तो राजा था। पतित दुनियाँ में जो भी राजायें होते हैं उनको सिखाने वाले कौन होते हैं? वो खुद सीखते हैं कि उनको सिखाने वाला कोई होता है? मंत्री होते हैं। सतयुग त्रेता में भी बाप ही सिखाने वाला होता है बच्चों को। तो त्रेता के अंत में भी राजा विक्रमादित्य का बाप ही था जिसने राजा विक्रमादित्य को सिखाया कि ये जो आधा विनाश हुआ है दुख की दुनियाँ सामने देखने में आ रही है इस दुख से निस्तार का तरीका ये है कि सोमनाथ मंदिर की स्थापना करो, एक शिवलिंग की पूजा करो। वो स्मृति कहाँ से आई उस शिवलिंग में भी वो हीरा जड़ने वाली बात किसकी बुद्धि में आई होगी? जो लिंग रूप बनके रहा होगा और उस लिंग रूप बनने के साथ-2 ज्योतिबिंदु की याद में भी रहा होगा। ऑटोमेटिक द्वापर का आदि होते ही वो संस्कार इमर्ज हो जाती हैं। ऐसे ही और डेर सारे संस्कार शास्त्र लिखने के, शास्त्र पढ़ने के, शास्त्र सुनाने के। वो सारे संस्कार नंबरवार पुरूषार्थ अनुसार आत्माओं में भरे रहते हैं। कहाँ की यादगार? संगमयुग की यादगार। सतयुग त्रेता की कोई हिस्ट्री नहीं रहती क्योंकि आधा विनाश हो जाता है दुनियाँ का। सिर्फ थोड़े से चित्र और मूर्तियाँ रह जाती हैं। क्योंकि देवतायें अच्छे-2 मूर्तिकार भी थे, कलाकारी उनके अंदर थी। अच्छे-2 चित्र बनाने वाले भी थे, देवतायें अच्छे-2 संगीतकार भी थे, देवतायें नृत्यकार भी थे। कलाएं रहती हैं। बाकी दुनियाँवी पढ़ाईयां नहीं रहती।

Baba: So, who lays the foundation of this path of *bhakti* as well? Is king Vikramaditya the one who follows *bhakti* or teaches *bhakti*? (Everyone: He is the one who follows.) King Vikramaditya was a king. Who are the ones who teach all the kings in the sinful world? Do they learn themselves or is there someone who teaches them? There are ministers [who teach them]. Even in the Golden Age and the Silver Age, it is only the father who teaches his children. So, also in the end of the Silver Age, it was the father of king Vikramaditya himself who taught him: "Semi destruction has taken place, the world of sorrow is in front of you. The way to come out of this sorrow is to establish the temple of Somnath [and] worship one

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Shivling. Where did that memory come from? In whose intellect would have the subject of embedding a diamond in that *Shivling* emerged? [It is] the one who would have remained in the form of a *ling* and would have remained in the remembrance of the point of light as well along with becoming that form of *ling*. As soon as the Copper Age begins, those *sanskars* emerge automatically. Similarly, there are numerous *sanskars*, like the *sanskar* of writing scriptures, of reading scriptures, of narrating scriptures; all those sanskars are recorded in the souls number wise according to their efforts. They are memorials of which time? They are memorials of the Confluence Age. There is no history of the Golden Age and the Silver Age because semi-destruction of the world takes place. Very few pictures and idols survive because deities were also good sculptors; they were skilled. They also used to prepare good pictures. Deities were good musicians as well; deities were dancers as well; they have (different) skills in them. However, there isn't the worldly study there.

समयः 49.25-50.00

जिज्ञासुः देवताओं की १६ कलाएं कौनसी होती हैं?

बाबाः चन्द्रमा की १६ कलाएं कौनसी होती हैं? अलग-2 कलाएं होती हैं या चंद्रमाँ की रोशनी की कमती और बढ़ती स्टेज को ही कलायें कहा जाता है? (किसीने कहा-कमती बढ़ती स्टेज को।) तो ये भी ज्ञान की रोशनी है। आत्मा में प्रकाश की जो कमी हो जाती है वो कला कम होना कहा जाता है। प्रकाश बढ़ता जाता है, कला बढ़ती जाती है।

Time: 49.25-50.00
Student: Which are the 16 celestial degrees of the deities?
Baba: Which are the 16 celestial degrees of the Moon? Are they different celestial degrees or is the decreasing and increasing stage of the light of the Moon called celestial degrees? (Someone said: The decreasing and increasing stage.) So, this is also the light of knowledge. The light (i.e. knowledge) that decreases in a soul is called decrease in the celestial degrees. When the light (of knowledge) increases, the celestial degrees increase.

समयः 50.05-51.40

जिज्ञासुः बाबा, अहिल्या पत्थरबुद्धि कैसे बन गई?

बाबाः बुरा काम करेगा तो पत्थरबुद्धि बनेगा या पावन बुद्धि बनेगा? कोई बार-2 पोतामेल लिखकरके देता रहे, तो बाबा बार-2 उसको माफ करता रहेगा क्या? बुद्धि पत्थरबुद्धि बनेगी कि नहीं बार-2 वो ही गलती करने से? अहिल्या। अहि माना साँप ल्या माना ले आई। क्योंकि लगाव लग गया। किसके साथ? उस कामी क्रोधी के साथ लगाव लगाए लिया, अटैचमेन्ट जुड़ गया। उसका वो कल्याण करने में लग गई। इसका भी कल्याण हो जाए। मैं तो यज्ञ में हूँ ही। ये भी यज्ञ में आ जाए क्योंकि बिना उसके अटैचमेन्ट के वो रह नहीं सकती। इसीलिए बाप की सभा में उस सर्प को ले आई। तो नाम क्या पड़ गया? अहिल्या। उसको श्राप मिल गया। ऐसे विकारियों को बाप की सभा में नहीं लाना चाहिए, ये जानते हुए भी लेकर आ गई इसलिए पत्थरबुद्धि बन गई।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 50.05-51.40
Student: Baba, how did Ahilya develop a stone-like intellect?
Baba: If someone performs bad actions, will he develop a stone-like intellect or a pure intellect? If someone keeps writing *potamail* and gives it again and again, will Baba go on pardoning him every time? Will the intellect become stone-like or not if he keeps repeating the same mistake again and again? Ahilya. *Ahi* means 'snake' and *lya* means 'brought' because she developed attachment [with him]. With whom? She developed an attachment with that lustful and angry one, she developed an attachment [with him]. She became busy in bringing about his benefit [and thought:] " This one should also be benefited. I am anyway in the *yagya*. This one should also come in the *yagya*" because she cannot live without his attachment. This is why she brought that snake to the Father's gathering. So, which name did she get? Ahilya. She got a curse. Such vicious people should not be brought in the gathering of the Father; she brought him despite being aware of this; this is why she developed a stone-like intellect. ….. (to be continued.)

Extracts-Part-4

समयः 51.45-53.05

जिज्ञासुः बाबा, संगठन क्लास होता है तो कै बजे से कै बजे तक होना चाहिए?

बाबाः संगठन क्लास में कन्यायें मातायें भी आती हैं। कन्याओं माताओं में नौजवान भी होती हैं, छोटी-2 बच्चियाँ भी होती है, कोई को अकेला भी आना पड़ता है क्योंकि बांधेली होती है। इसीलिए कोई भी संगठन का क्लास गीता पाठशाला में तब शुरू होना चाहिए जब दिन का झुट-पुटा शुरू हो जाए और दिन के झुट-पुटे में ही रात होने से पहले क्लास पूरा हो जाना चाहिए।

जिज्ञासुः सुबह 6 बजे से।

बाबाः गरमियों में सूरज जल्दी निकलता है। 5 बजे भी निकल आता है। तो 5 से क्लास शुरू हो सकता है। सर्दियों में 6 भी नहीं निकलता तो 6 बजे के बाद शुरू होना चाहिए।

जिज्ञासुः तो कै बजे करना है?

बाबाः टाईम फिक्स नहीं। बताया जब दिन निकलने लगे, झुट-पुटा होने लगे, आदमी की सूरत दिखाई पड़े तब क्लास शुरू होना चाहिए।

Time: 51.45-53.05
Student: Baba, what should be the timing and duration of the *sangathan* (gathering) class?
Baba: Virgins and mothers also come to the *sangathan* class. There are some young ones among virgins and mothers too. There are small girls as well. Some do have to come alone because they are in bondage. This is why, any *sangathan* class in a *gitapathshala* should start after daybreak and the class should finish before it becomes dark.
Student: From 6 AM?
Baba: In summers the Sun rises early, it rises even at 5 AM. So, the class can start at 5 AM. In the winters it does not rise even by 6 AM; so, it (the class) should start after 6 AM.
Student: So, we should conduct it at what time?
Baba: The time is not fixed. It was said that the class should begin when the daybreaks when the faces of people are visible.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 53.10-54.55

जिज्ञासुः बाबा वो रामायण में ना चार भाई दिखाए हैं ना राम, लक्ष्मण और भरत, शत्रुघ्न। तो राम की तो पता चला है कि कौनसी आत्मा है और वो जो तीन दिखाए हैं उनका क्यों नहीं बताया है?

बाबाः हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई। भक्तिमार्ग में कहते हैं ना हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई सब आपस में भाई-2। लेकिन कहने वाले क्या प्रैक्टिकल में जानते हैं कि ये हिंदू, मुसलिम, सिक्ख, ईसाई आपस में भाई-2 कब थे? अरे कभी प्रैक्टिकल में एक बाप के बच्चे रहे होंगे ना। तब ही तो भाई-2 कहे जाते हैं कि ऐसे ही कहे जाते हैं? तो ये संगमयुग में ब्रह्मा के पहले चार पुत्र हुए। ज्ञान के आधार पर बड़े छोटे हो गए। पहले पैदा होने की बात नहीं है। ज्ञान में जो बड़ा वो बड़ा हो गया राम। बाकी तीन भाई - इस्लामियों का बीज भरत, बौद्धयों का बीज लक्ष्मण, क्रिश्चियन्स का बीज शत्रुघ्न। ये चार भाई कहे गए जो सीढ़ी के चित्र में ऊपर चार दिखाए गए हैं। ये सन 76 की बात है। जहाँ सीढ़ी के चित्र में नीचे लिखा हुआ है 40 वर्ष का संगमयुग। वो 40 वर्ष का संगमयुग कौनसे सन में पूरा होता है? 76 में पूरा होता है।

Time: 53.10-54.55

Student: Baba, four brothers have been shown in Ramayana, namely Ram, Lakshman, Bharat and Shatrughna. So, we came to know, which soul plays the role of Ram. And why hasn't anything been mentioned about the other three?

Baba: Hindu, Muslim, Sikh and Christian. It is said in the path of *bhakti*: Hindus, Muslims, Sikhs and Christians all are brothers among themselves, isn't it? But do those who say this know when these Hindus, Muslims, Sikhs and Christians were brothers among themselves in practical? Arey, they would have been the children of one Father in practical at some point of time, wouldn't they? Only then are they called brothers. Or are they simply called this? So, there were four sons of Brahma at first, in the Confluence Age. They were considered to be older or younger on the basis of knowledge. It is not about being born first. The one who is senior in knowledge is the elder one [i.e.] Ram. As regards the other three, the seed of the people of Islam is Bharat, the seed of the Buddhist is Lakshman [and] the seed of the Christians is Shatrughna. They were called four brothers, who are shown above in the picture of the Ladder. It is about the year '76; [the place] where it has been written below in the picture of the Ladder, 'Confluence Age of 40 years'; in which year does that Confluence Age of 40 years end? It ends in 1976.

समयः 56.45-58.10

जिज्ञासुः बाबा, शंकर महादेव को बिना कपड़ों के क्यों दिखाया है?

बाबाः हाँ। शरीर को कपड़ा कहा जाता है। इस शरीर रूपी कपड़े को पहनने वाली कौन है? आत्मा। तो शंकर कोई कपड़ा नहीं पहनते। माना शरीर रूपी वस्त्र को भूले हुए रहते हैं। इसलिए उनकी यादगार में जो जैन मुनी होते हैं वो नंगे रहते हैं। वो समझते हैं नंगे रहने से हम आत्मा बन जावेंगे। लेकिन ऐसा होता नहीं है। जो नागा बाबाएँ होते हैं हिंदुओं में वो भी

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

नंगे रहते हैं। वो समझते हैं नंगे रहने से हम आत्मा बन जावेंगे। लेकिन ऐसी बात नहीं है। असली बात क्या है? अपन को आत्मा समझना 24 घंटे। 24 घंटे देहभान में न आना माना नंगे रहना। इसीलिए शंकर को नंगा दिखाते हैं। ऐसे नहीं उनके पास पहनने के लिए कपड़े नहीं थे।

Time: 56.45-58.10
Student: Baba, why has Shankar Mahadev been shown to be without clothes?
Baba: Yes. The body is called a cloth. Who wears this cloth like body? The soul. So, Shankar does not wear any clothes. It means that he [remains in a stage where he has] forgotten the cloth like body. This is why in his memorial, the Jain sages remain naked. They think that they will become souls by remaining naked. But it does not happen like this. The *Naga babas*[7] among Hindus also remain naked. They think that they will become souls by remaining naked. But it is not so. What is the truth? We should consider ourselves to be souls for 24 hours. We should not become body conscious for 24 hours means being naked. This is why Shankar is shown to be naked. It is not that he did not have clothes to wear.

समयः 58.10 – 1.02.00
जिज्ञासुः चन्द्रमा को ग्रहण लगता हैं तो कर्जा माँगते हैं....
बाबाः दे दान तो छूटे ग्रहण।
जिज्ञासुः हाँ। वो किसकी यादगार है?
बाबाः जो चाण□ाल होते हैं जब चंद्र ग्रहण पड़ता है तो नदी के किनारे, सरोवर के किनारे, सागर के किनारे चाण□ाल लोग होते हैं वो आवाज लगाते हैं। क्या? दे दान तो छूटे ग्रहण। क्या? माना अपने विकारों का दान दो, योगदान दो तो चंद्रमाँ का ग्रहण छूट जाएगा। माना ज्ञान चंद्रमाँ ब्रह्मा जगदम्बा, काली में प्रवेश कर जाता है। तो काली के मस्तक में क्या दिखाया जाता है? क्षीण हुआ चंद्रमाँ दिखाया जाता है। वो चंद्रमाँ को ग्रहण लगा हुआ है 5 विकारों का। वो महाकाली जगदम्बा जो प्रकृति का रूप है, प्रकृति माता है वो जड़ बुद्धि है या चैतन्य बुद्धि है? जड़त्वमयी है। वो भगवान के रूप को पहचान सकती है या नहीं पहचान सकती? नहीं पहचान सकती। इसीलिए मुरली में बोला है - मेरे साथ रहने वाले बच्चे मेरे को नहीं पहचान पाते। जिंदगी भर मेरे साथ रहे और फिर भी मेरे को नहीं पहचाना। तो जड़ बुद्धि हुए या चैतन्य बुद्धि हुए? जड़त्वमयी बुद्धि हो गई। ऐसी जड़ बुद्धि वालों को योगदान दो। तब आत्मा का ग्रहण छूटेगा। क्योंकि वो तुम्हारी अम्मा है। तुम अपने अम्मा बाप का ही उद्धार नहीं कर सके, उसकी परवरिश नहीं कर सकते तो तुम किसकी परवरिश करोगे? बालिग बुद्धि हो तो समझ से काम लो। प्रकृति माता कहो, जगदम्बा कहो, महाकाली कहो, अगर उसको योग का दान न दिया, दे दान तो छूटे ग्रहण नहीं होगा। पूरा महा विनाश हो जावेगा। सब मर जावेंगे। ज्ञान मे से टूट जावेंगे। तो आया समझ मे?....

[7] Naked ascetics

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 58.10-1.02.00
Student: When the Moon is eclipsed, people seek donations....
Baba: *"De daan toh chootey grahann"* (If you give donations the eclipse will fade out).
Student: Yes. That is a memorial of what?
Baba: When the Lunar eclipse occurs, the *chandaals* (those who cremate dead bodies) living near rivers, near lakes and oceans shout aloud. What? *De daan toh chootey grahann* What? It means, give donations of your vices, give donation of *yog* (remembrance), then the Moon will be free from the eclipse. It means that the Moon of knowledge Brahma enters Jagdamba, Kali. So, what is shown on the forehead of Kali? A crescent Moon is shown. That Moon is eclipsed, by the five vices. That Mahakali Jagdamba, who is the form of *prakriti* (nature), who is Mother Nature; does she have an inert intellect or a living intellect? An inert intellect. Can she recognize the form of God or not? She cannot. This is why it has been said in the *murli,* "Even the children living with Me are unable to recognize Me". They lived with Me throughout their life, yet they did not recognize Me. So, do they have an inert intellect or a living intellect? Their intellect became inert. Give donation of *yog* to the souls with such an inert intellect. Then the soul will be free from the eclipse because she is your mother. If you could not bring salvation to your very mother and father, if you cannot take care of them, then who else will you take care of? If you have a mature intellect, act sensibly. Call her Mother Nature, Jagdamba or Mahakali, if you do not give donation of *yog* to her, then it will not be '*de dan chute grahan'*; the total great destruction will take place. Everyone will die; they will break away from the knowledge. So did you understand? ... (To be continued).

Extracts-Part-5

...वो ज्ञान चन्द्रमा ब्रह्मा, उसके लिये ही बोला हुआ है- एक के पतित बनने से सब पतित बन जाते हैं, एक के पावन बनने से सब पावन बन जाते हैं। जैसे दिल्ली के लिए बोला है- दिल्ली परिस्तान बनती है और दिल्ली कब्रिस्तान बनती है। दिल्ली का सुधार सारी दुनिया का सुधार, दिल्ली का परिवर्तन सारे भारत का परिवर्तन हो जाता है। अगर दिल्ली का ही परिवर्तन नही हुआ, राजधानी का ही परिवर्तन नही हुआ, तो सारे भारत का और दुनिया का परिवर्तन नहीं हो सकता है। लेकिन वो परिवर्तन मनमत के आधार पर या मनुष्यों की मत के आधार पर नही होगा। कैसे होगा? एक श्रीमत के आधार पर होगा। तो एक को पहचानो और उस एक की मत पर चलो। एक के ऊपर सारा मदार है। किसके ऊपर? जगदम्बा के ऊपर। ऐसे नही, रख□ती है तो रख□ने दो।

... That Moon of knowledge Brahma, it has been said only for him: "Everyone becomes sinful when one becomes sinful, everyone becomes pure when one becomes pure." Just as it is said for Delhi, "Delhi becomes *paristan* (the land of fairies) and Delhi [also] becomes *kabristan* (a graveyard). The improvement of Delhi is the improvement of the world. The transformation of the whole India takes place when the transformation of Delhi takes place." If the transformation of Delhi itself doesn't take place, if the capital itself is not transformed, then the transformation of the whole India and of the world cannot take place. But that transformation will not take place on the basis of *manmat* (opinions of one's mind) or human opinions. How will it take place? It will take place on the basis of one shrimat. So, recognize

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

the One and follow the opinion of that One. Everything is based on one. On whom? [It is based] on Jagadamba. It is not that if she suffering, let her suffer.

समय: 01.05.40

जिज्ञासु: ड्रिल किसको कहते हैं?

बाबा: ड्रिल माने याद। याद की यात्रा।

Time: 01.05.40
Student: What is the meaning of drill?
Baba: Drill means remembrance. The journey of remembrance.

समय: 01.05.45

जिज्ञासु: बाबा, काली के मस्तक पर चन्द्रमा दिखाते हैं लेकिन तीसरा नेत्र भी दिखाते हैं। वो किसकी यादगार है?

चन्द्रमा दिखाते हैं माना ब्रह्मा की सोल प्रवेश है। और तीसरा नेत्र दिखाते हैं इसका मतलब उसके अन्दर जितना ज्ञान है उतना ज्ञान और कोई के अन्दर....। न कोई दीदी, दादी है जो उससे ज्ञान का मुकाबला कर सके। और ना कोई दुयोधन दु:शासन है जो उसका मुकाबला ज्ञान का कर सके, पुरुषों में। ए□वांस ज्ञान कूट-2 के भरा हुआ है। लेकिन वाचा तक सीमित है। इसलिए ज्ञान का तीसरा नेत्र दिखाया जाता है और जीभ बड़ी लम्बी दिखाई जाती है।

Time: 01.05.45
Student: Baba, the Moon is shown on the forehead of Kali but the third eye is also shown. What is it a memorial of?
Baba: The Moon is shown [on her forehead], that means the soul of Brahma is present in her. And the third eye is shown, it means whatever knowledge she has, nobody else [has] that much knowledge. There is neither any *didi*, *dadi* nor any Duryodhan-Dushasan[8] among men who can confront her knowledge. She possesses the advance knowledge in great measure. But it is limited to speech. That is why the third eye of knowledge is shown and her tongue is shown to be very long.

दूसरा जिज्ञासु: जगदम्बा को 8 भुजायें दिखाते हैं।

बाबा: हाँ, जी। माना भुजायें ज्यादा है इसका मतलब है सहयोगी बहुत बनते हैं। जो भी रुद्रमाला की शक्तियाँ है, कन्यायें-मातायें हैं, वो किसकी भुजायें हैं? अरे, जो भी रुद्रमाला है उसमें कन्याओं-माताओं का जो चोला धारी है, वो किसकी भुजायें बनते हैं? लक्ष्मी की भुजायें बनते हैं या जगदम्बा की भुजा बनते हैं? जगदम्बा की भुजा बनते हैं। इसलिए जगदम्बा को अनेक भुजायें दिखाते हैं।....

जिज्ञासु ने कुछ कहा।

बाबा: हाँ। एक जगदम्बा जब तक सम्पन्न नहीं बनेगी तब तक विष्णू के चार मुर्तियों में से

[8] Villainous characters in the epic Mahabharata

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

कोई मूर्ती सम्पन्न नहीं हो सकती। (जिज्ञासु ने फिर कुछ पूछा।) अभी सात बजने वाले हैं, घर जाने की कोई को चिंता नहीं। रुद्रमाला के मणके हैं कि नहीं? (किसीने कहा- है बाबा।) ये रुद्रमाला के मणके हैं, जगदम्बा की भुजायें, महाकाली की भुजायें बनने वाली हैं। ध्यान रखना चाहिये घर वालों का भी।

Another Student: Jagadamba is shown to have eight arms.
Baba: Yes. She has many arms; it means many become her helpers. All the *shaktis*[9] of the *Rudramala*[10], the virgins and mothers are whose arms? Arey, all those who have the body of virgin or mother in the *Rudramala*, become whose arms? Do they become the arms of Lakshmi or of Jagadamba? They become the arms of Jagadamba. That is why Jagadamba is shown to have many arms.
Student said something.
Baba: Until Jagadamba becomes complete, no personality from among the four personalities of Vishnu can become complete. ….. (The student asked something again.) It's going to be 7 o' clock now. Nobody is worried about going home. Are you the beads of the *Rudramala* or not? (Someone said: We are Baba.) These are the beads of the *Rudramala*, they are going to become the arms of Jagadamba, of Mahakali☺. You should take care of those at home as well. (Concluded.)

[9] Consorts of Shiva / the virgins and mothers
[10] The rosary of Rudra

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info